भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. **+1324**

सोमवार, 10 फरवरी, 2020/21 माघ, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विश्व पर्यटन केन्द्र के रूप में देश को विकसित करना

+1324. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः

श्री सुधीर गुप्ताः

श्री गजानन कीर्तिकरः

श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः

श्री बिद्युत बरन महतोः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करकृगे किः

(क) विश्व पर्यटन सूची में भारत का स्थान क्या है;

(ख) क्या सरकार ने देश के विभिन्न हिस्सों में पर्यटन क्षेत्र का विकास करके देश को विश्व पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए हाल ही में कोई पहल या कोई प्रस्ताव दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त पहल/प्रस्ताव के तहत देश भर में परियोजनाओं का चयन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार/स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान और चालू वर्ष के दौरान इन परियोजनाओं के अंतर्गत सरकार द्वारा राज्यों को कुल कितनी धनराशि स्वीकृत और जारी की गई और उसका कितना उपयोग किया गया और इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है तथा इन पर्यटक केंद्रों/परियोजनाओं द्वारा कितनी धनराशि सृजित होने की संभावना है; और

(ङ) क्या सरकार ने इन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए कोई तंत्र स्थापित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) : वर्ल्ड इकोनामिक फोरम द्वारा वर्ष **2019** में जारी ट्रैवल एंड टूरिज्म कॉम्पिटीटिवनेस इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार विश्व की **140** अर्थव्यवस्थाओं में भारत समग्र रूप से 34वें में स्थान पर था।

(ख) : पर्यटन का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार स्वदेश दर्शन, प्रशाद और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत पर्यटकों को बेहतर पर्यटन अनुभव प्रदान करने हेतु पर्यटन संबंधी अवसंरचना एवं सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों/केंद्रीय एजेंसियों को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन योजनाओं के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान

राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी नीधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है।

(ग) और (घ) : स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के अंतर्गत आरम्भ से कुल स्वीकृत राशि क्रमशः **6035.70** करोड़ रुपए और **889.54** करोड़ रुपए तथा जारी की गई राशि क्रमशः **3744.50**करोड़ रुपए तथा **505.15** करोड़ रुपए है। स्वदेश दर्शन तथा प्रशाद योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं का विवरण क्रमशः अनुबंध- **I** और अनुबंध- **II** में दिया गया है। स्वदेश दर्शन और प्रशाद की विभिन्न परियोजनाओं के तहत क्रमशः 2792.32 करोड़ रुपये और 335.12 करोड़ रुपए के उपयोग प्रमाण प्राप्त हुए हैं। परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों पर है**|** इन परियोजनाओं से पर्यटकों के अनुभव में वृद्धि और पर्यटन की गति में वृद्धि होने की उम्मीद है**|** हालांकि, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पर्यटन से सृजित राजस्व के संबंध में केंद्रीय रूप से आंकड़ों का संकलन नहीं किया जाता है।

(ड.) : जी हां। माननीय पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय संचालन समिति इन योजनाओं के समग्र दिशा-निर्देशन, समीक्षा और निगरानी के लिए उत्तरदायी है। इसके अतिरिक्त सचिव (पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार) की अध्यक्षता में केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति परियोजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति की नियमित निगरानी करने के लिए उत्तरदायी है।

****

अनुबंध-I

विश्व पर्यटन केन्द्र के रूप में देश को विकसित करना के सम्बन्ध में दिनांक 10.02.2020 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +1324 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की राज्यवार सूची

(करोड़ रुपए में)

क्र .सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	स्वदेश दर्शन योजना		
		परियोजनाओं की संख्या	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1	आंध्र प्रदेश	3	179.88	138.37
2	अरुणाचल प्रदेश	2	146.91	117.52
3	असम	2	194.02	121.83
4	बिहार	5	301.61	160.16
5	छत्तीसगढ़	1	99	79.2
6	गोवा	2	199.34	129.67
7	गुजरात	3	212.9	157.11
8	हरियाणा	1	97.35	77.88
9	हिमाचल प्रदेश	1	86.85	39.88
10	जम्मू एवं कश्मीर	6	552.5	367.69
11	झारखंड	1	52.72	0
12	कर्नाटक	0	0	0
13	केरल	6	503.83	155.01
14	मध्य प्रदेश	4	359.75	287.81
15	महाराष्ट्र	2	136.18	16.43
16	मणिपुर	2	126.03	104.36
17	मेघालय	2	184.1	79.31
18	मिजोरम	2	193.98	125.45
19	नागालैंड	2	197.03	155.98
20	ओडिशा	1	70.82	37.61
21	पंजाब	1	99.95	0
22	राजस्थान	4	340.23	214.93
23	सिक्किम	2	193.37	154.69
24	तमिलनाडु	1	74.58	59.66

25	तेलंगाना	3	274.92	190.11
26	त्रिपुरा	2	164.59	79.67
27	उत्तर प्रदेश	8	505.39	358.51
28	उत्तराखंड	2	150.05	127.6
29	पश्चिम बंगाल	1	85.39	68.31
30	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	1	42.19	8.44
31	चंडीगढ़	0	0	0
32	दादरा एवं नगर हवेली	0	0	0
33	दमन एवं दीव	0	0	0
34	दिल्ली	0	0	0
35	लक्षद्वीप	0	0	0
36	पुद्दुचेरी	3	192.31	125.93
37	रास्तों के किनारे सुविधाएं	1	17.93	5.38

****

अनुबंध-II

विश्व पर्यटन केन्द्र के रूप में देश को विकसित करना के सम्बन्ध में दिनांक 10.02.2020 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +1324 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में विवरण

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की राज्यवार सूची

करोड़ रुपए में

क्र .सं	राज्य	परियोजना का नाम	परियोजनाकी लागत	जारी की गई राशि
	वर्ष 2014 -15			
1	बिहार	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में बुनियादी सुविधाओं का विकास	**4.27**	**2.91**
2	ओडिशा	मेगा सर्किट के तहत पुरी में, श्री जगन्नाथधाम - रामचंडी – प्राची नदी तट, देउली में अव संरचना विकास	**50.00**	**10.00**
3	उत्तर प्रदेश	मेगाटू रिस्ट सर्किट के रूप में मथुरा – वृंदावन का विकास (चरण 2)	**14.93**	**10.38**
4**	उत्तर प्रदेश	मथुरा जिले के वृंदावन में पर्यटक सूचना केन्द्र का निर्माण	**9.36**	**9.36**
	वर्ष 2015-16			
5**	आंध्रप्रदेश	टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में गुंटूर जिले के अमरावती टाउन का विकास	**28.36**	**22.69**
6	असम	गुवाहाटी में और आसपास का माख्या मंदिर तथातीर्थ स्थलों का विकास	**30.71**	**22.03**
7	बिहार	पटना साहिब का विकास	**41.54**	**33.23**
8**	पंजाब	अमृतसर में करुण सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	**6.40**	**6.40**
9	राजस्थान	पुष्कर / अजमेर कास मे कित विकास	**32.62**	**26.11**
10	उत्तराखंड	केदारनाथ का समेकित विकास	**34.78**	**27.83**
11	उत्तरप्रदेश	वाराणसी का विकास	**20.40**	**16.32**
	वर्ष 2016-17			
12	गुजरात	द्वारका का विकास	**13.08**	**10.46**
13	गुजरात	सोमनाथ में तीर्थयात्री सुविधाएं	**44.07**	**35.26**
14	जम्मू एवं कश्मीर	हजरत बल में विकास	**42.02**	**30.42**

15	केरल	गुरुवयूर मंदिर का विकास	**46.14**	**36.91**
16	तमिलनाडु	कांचीपुरम का विकास	**16.48**	**13.18**
17	तमिलनाडु	वेलंकानी का विकास	**5.60**	**4.48**
18	पश्चिमबंगाल	बेलुर का विकास	**30.03**	**23.39**
	वर्ष 2017-18			
19	मध्यप्रदेश	ओंकारेश्वर का विकास	**40.67**	**28.33**
20	उत्तर प्रदेश	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	**10.72**	**5.14**
21.	महाराष्ट्र	त्रियंब केश्वर का विकास	**37.81**	**8.49**
22	उत्तरप्रदेश	प्रशाद योजना 2 के अंतर्गत वाराणसी का विकास	**44.60**	**18.46**
23	आंध्रप्रदेश	प्रशाद योजना के तहत आंध्र प्रदेश में श्री साइलम मंदिर का विकास	**47.45**	**37.96**
	वर्ष 2018-19			
24	उत्तराखंड	बद्रीनाथ जी धाम (उत्तराखंड) में तीर्थ यात्रियों की सूचना के लिए अव संरचना का विकास	**39.24**	**11.77**
25	गुजरात	सोमनाथ में विहार स्थल का विकास	**44.59**	**26.75**
26	उत्तरप्रदेश	गोवर्धन, मथुरा का विकास	**39.74**	**7.78**
27	झारखंड	वैद्यनाथ जी धाम, देवघर का विकास	**39.13**	**11.58**
28	नागालैंड	नागालैंड में तीर्थ स्थल सुविधाओं का विकास	**25.26**	**7.53**
	वर्ष **2019-20**			
29	हरियाणा	पंचकुला जिले में नादासाहेब गुरुद्वारा और माता मंशा देवी मंदिर का विकास	**49.72**	**31.1.2020** को अनुमोदित किया गया

**** परियोजना पूरी तरह से लागू ।**

****